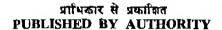
Gazette of India

असाधार्ग EXTRAORDINARY

भाग II- खण्ड 3-उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-Section (ii)





193] ŧί٥

नई विस्ली, बहस्पतिबार, मार्च 21, 1996/बैस 1, 1918

NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 21, 1996/CHAITRA 1, 1918 No. 193]

> वित्त मंद्रालय (केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड) प्रधियुचना नई दिल्ली, 21 मार्च, 1996

(भ्रायकर)

का. आ. 229(अ).—आयक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 118 द्वारा प्रदत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड एतद्द्वारा भारत सरकार, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड की श्रधिसूचना सं. का. 30 मार्च, 1988 में निम्नलिखित ग्रा. 359(ग्र) दिनांक संगोधन करता है, श्रर्थात्:--

उक्त ग्रधिसूचना में,--

- (क) खंड (ग) के लिए निम्नलिखित खंड प्रतिस्थापित किया जाएगा, श्रर्थात्.--
 - "(ग) ग्रापर निदेशक श्रथवा श्रपर श्रायुक्त श्रथवा ग्रपर ग्रायुक्त (ग्रपील) ग्रथवा उप निदेशक भ्रथवा उपायुक्त भ्रथवा उपायुक्त (भ्रपील) ऐसे निदेशकों ग्रथवा श्रायुक्तीं के श्रधीन होंगे, जिनके क्षेत्राधिकार में वे ग्रंपने कार्यों ं निष्पादन करते हैं भ्रथवा ऐसे भ्रन्य

श्रायकर प्राधिकारी के श्रधीन होंगे, जिनके श्रधीन उन्हें कार्य करने के त्रिए नियक्त किया ज्ञातः । अभिर ऐसे किसी भ्रन्य। श्राधकर प्राधिकारी के प्रधान होंगे, जिसके प्रधीन निदेशक अथवा श्रायुक्त होंगे, जैसा भी मामला हो, प्रथवा ग्रन्य श्रायकर प्राधिकारी होते हैं:"

- (ख) खंड (घ) के लिए निम्नलिखित खंड को प्रति-स्थापित किया जाएगा, श्रर्थात :--
 - ''(घ) सहायक निदेशक श्रथवा सह।यक श्रायुक्त ऐसे भ्रपर निदेशकों म्रथवा ग्रपर भ्रायुक्तों ग्रथवा उप निदेशको ग्रथवा उपायुक्तों के श्रधीन होंगे जिनके क्षेत्राधिकार में वे श्रपने कार्यों का निष्पादन करते हैं श्रथवा ऐसे किसी भ्रन्य भ्रायकर प्राधिकारी के श्रधीन होंगे, जिनके अधीन उन्हें कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है अं र ऐसे किसी श्रन्य आयकर प्राधिकारी के ग्रधीन होंगे. जिसके प्रधीन उप निवेशक उपायुक्त, जैसा भी मामला हो श्रथवा श्रन्य श्रायकर प्राधिकारी होते हैं;"

(ग) खंड (छ) के बाद प्राप्ति पारते परन्तुरा के स्थाप पर निम्नलिखित परन्तुक प्रातिस्थापित किया जाएगा, ग्रायौत:--

"परन्तु इस झिंडसूचना में किमी भी बात का यह प्रभाव नहीं होगा कि:--

- (क) कोई भी आयकर प्राधिारी किसी विशिष्ट कर निर्धारण श्रयवा किसी विशिष्ट तरीके से किसी विशिष्ट मामले का निपटान करे; अथवा
- (ख) श्रायुक्त (श्रपील) प्रथवा श्रपर ग्रायुक्त (श्रपील) श्रयवा उपायुक्त (श्रपील) के विवेकाधिकार में इस्तकोत करे।"

[सं. 10028/का. स. 187/3/95-ब्रायकर नि.-I] एथ. के. चौधरी, अवर मचिव

MINISTRY OF FINANCE (Central Board of Direct Taxes) NOTIFICATION

New Delhi, the 21st March, 1996 (INCOME TAX)

S.O. 229(E).—In exercise of the powers conferred by section 118 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendments in the notification of Government of India, Central Board of Direct Taxes number S.O. 359 (E) dated 30th March, 1988, namely:—

In the said notification,-

- (a) for the clause (c), the following clause shall be substituted, namely:—
 - "(c) Additional Directors or Additional Commissioners or Additional Commissioners (Appeals) or Deputy Directors or Deputy

Commissioners or Deputy Commissioners (Appeals) shall be subordinate to the Director's or Commissioners within whose jurisdiction they perform their functions or other incometax authority under whom they are appointed to work and to any other income-tax authority to whom the Director or the Commissioner, as the case may be, or other income-tax authority is subordinate;"

- (b) for clause (d), the following clause shall be substituted, namely :--
 - "(d) Assistant Directors or Assistant Commissioners shall be subordinate to Additional Directors or Additional Commissioners or Deputy Directors or Deputy Commissioners within whose jurisdiction they perform their functions or other income-tax authority under whom they are appointed to work and to any other income-tax authority to whom the Deputy Director or the Deputy Commissioner, as the case may be, or other incometax authority, is subordinate";
- (c) for the proviso occurring after clause (g). the following proviso shall be substituted, namely

Provided that nothing in this notification shall the effect of :--

- (a) requiring any income-tax authority to make a particular assessment or to dispose of a particular case in a particular manner; or
- (b) interfering with the discretion of the commissioner (Appeals) or Additional Commissioner (Appeals) or Deputy Commissioner (Appeal)."

[No. 10028/F.No. 187/3/95-1TA-1] H.K. CHOUDHARY, Under Secy.